

The 804th meeting of the State Expert Appraisal Committee (SEAC) was held on 24th June, 2025 under the Chairmanship of Shri Rakesh Kumar Shrivastava for the projects which are scheduled in the agenda. Following members attended the meeting in person or through video conferencing -

1. Shri Vijay Kumar Ahirwar, Member.
2. Dr. Rakesh Kumar Pandey, Member.
3. Dr. Pallavee Bhatnagar, Member.
4. Dr. Sunita Singh, Member.
5. Dr. Sushil Manderia, Member.
6. Shri A.A. Mishra, Member Secretary.

The Chairman welcomed all the members of the State Expert Appraisal Committee. After that agenda items- wise taken up for deliberations.

1. **Case No. P2/1418/2025 Shri Arvind Dhakad, Director, M/s Rajlaxami Devbuild India Private Limited, R/o-M.I.G.-05, Sada Colony, Raghogarh Guna (M.P.)- 473236. Prior Environment Clearance for Awan Stone Quarry with a Production Capacity of 40,000 m³/year Stone (Gitti) & 26,000 m³/year M-sand having a lease area of 2.884 Ha.(Pvt. Land), at Khasra No. - 1304/1/2/1, 1304/1/2/2, 1304/1/3/2, 1304/2/1/2, 1304/2/3 and 1308 (Pvt. Land) Village - Awan, Tehsil- Raghogarh, District- Guna (M.P.) [535634] ,(Fresh- B-2).**

प्रस्तावित खदान बी-2 श्रेणी के अंतर्गत पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए आवेदित है, जिसमें आज दिनांक 24/06/2025 को परियोजना प्रस्तावक के अधिकृत प्रतिनिधि **Shri Gulsagar Dhakad**, एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार **Shri Shishupal Verma, M/s. Super Tech Environmental Services, Bhopal (M.P.)** उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

परियोजना की रूपरेखा

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / संस्थान का नाम व पता	Shri Arvind Dhakad, Director, M/s Rajlaxami Devbuild India Private Limited, R/o-M.I.G.-05, Sada Colony, Raghogarh Guna (M.P.)- 473236. Prior Environment Clearance for Awan Stone Quarry with a Production Capacity of 40,000 m ³ /year Stone (Gitti) & 26,000 m ³ /year M-sand having a lease area of 2.884 Ha.(Pvt. Land), at Khasra No. - 1304/1/2/1, 1304/1/2/2, 1304/1/3/2, 1304/2/1/2, 1304/2/3 and 1308 (Pvt. Land) Village - Awan, Tehsil- Raghogarh, District- Guna (M.P.)
परियोजना का खसरा नं.	खसरा नं.— 1304/1/2/1, एरिया — 2.884 ha., निजी

/लीज क्षेत्रफल	1304/1/2/2, 1304/1/3/2, 1304/2/1/2, 1304/2/3 and 1308 (Pvt. Land).	भूमि
परियोजना स्थल	Village - Awan, Tehsil- Raghogarh, District- Guna (M.P.).	
Description of Project	It is a Stone Quarry with a production capacity of 40,000 m ³ /year Stone (Gitti) & 26,000 m ³ /year M-sand having a lease area of 2.884 hectare, at Khasra No. 1304/1/2/1, 1304/1/2/2, 1304/1/3/2, 1304/2/1/2, 1304/2/3 and 1308 (Pvt. land) Village - Awan, Tehsil- Raghogarh, District- Guna (M.P.)	
सैधातिक सहमति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला गुना के पत्र क्र०. 935 दिनांक 05/12/2024.	
परियोजना की श्रेणी	बी-2.	
जल/वायु सम्मति	PCB ID: 169036, Consent No:AW-129647, Consent up to 31/03/2030.	
खनन् कार्य ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	Muffle Blasting.	
डिया द्वारा जारी ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	NA.	
उत्पादन क्षमता	Stone Quarry with a production capacity of 40,000 M ³ /year Stone (Gitti) & 26,000 M ³ /year M-sand.	
परियोजना के 500 मीटर की परिधि में संचालित /स्वीकृत अन्य खदानों का विवरण।	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला गुना के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1030 दिनांक 31/12/2024 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत है जिनका कुल रकबा 4.713 हे. होता है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।	
परियोजना के संबंध में डीएफओ की एनओसी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला गुना के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1030 दिनांक 31/12/2024 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है। • वन भूमि से 5030 मी.दूर सूचित किया गया है।	
परियोजना के संबंध राजस्व जानकारी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला गुना के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1030 दिनांक 31/12/2024 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, नाला इत्यादि संबंधी जानकारी नहीं है।	
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत/ नगर परिषद्	ग्राम पंचायत – आवन, जिला – गुना का ठहराव प्रस्ताव क्र०. 03 दिनांक 07/11/2024 द्वारा अनापत्ति पत्र जारी किया गया है।	
प्रस्तावित स्थल पर वृक्षों की वर्तमान स्थिति	Tree Existing - Yes	
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला गुना के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1090 दिनांक 31/12/2024 द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त खदान का नाम आगामी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित कर लिया जावेगा।	

प्रस्तुतीकरण के दौरान पर्यावरण सलाहकार ने बताया कि लीज क्षेत्र में कुल 10 पेड़ हैं जो बबूल एवं छेवला प्रजाति के हैं जो नहीं काटे जायेंगे एवं इस क्षेत्र को गैर खनन क्षेत्र (2,255 वर्ग मी.) के रूप में छोड़ा गया तथा उत्खनिपट्टे क्षेत्र के पश्चिम दिशा में 432 मीटर पर NH-46 पर एवं दक्षिण दि. 11 में एक पक्का रोड 200 मी. की दूरी पर है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान यह भी बताया गया कि उक्त उत्खनिपट्टे के 500 मीटर की परिधि में पूर्व की एक खदान थी जो की कार्यालय कलेक्टर खनिज शाखा जिला गुना द्वारा जारी पत्र क्रमांक 314 दिनांक 15-05-2024 के माध्यम से समर्पित कर दी गयी है। अतः 500 मीटर की परिधि में केवल एक अन्य खदान रकबा 1.829 हेक्टेयर है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता **Stone -40,000 M³/year (Gitti) & 26,000 M³/year M-sand.**
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 10.881 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 2.57 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.70 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु0. में)
Solar Panel of 3 Kw will be installed at the village government middle school of Awan. Whitewash of the same school building will also be undertaken along with educational paintings of the wall.	1,70,000/-

4. वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3460 वृक्षों का वृक्षारोपण किया जाना प्रस्तावित है।

2. Case No P2/736/2024 RAMAKANT PANDAY, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for NIWSAI RIDIYA -2 RIVER SAND MINE in an area of 24.40 ha. (1,28,000 cum per annum) (Khasra No 410) VILLAGE- Niwsai Ridiya, TEHSIL -Raun & DISTRICT - Bhind (M.P.).[535930] (EIA)

प्रस्तावित खदान बी-1 श्रेणी के अंतर्गत पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के मूल्यांकन का है, जिसमें आज दिनांक 24/06/2025 को परियोजना प्रस्तावक श्री दिने 1 पाठक (अधिकृत व्यक्ति) श्री श्री रमाकांत पाण्डे की सेवा निवृत्ति होने के कारण मेसर्स दि मध्य प्रदेश राज्य खनिज निगम लि. द्वारा नियुक्त किया गया है एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार Shri Varun Bhardwaj from M/s. Zenith Environment Consultancy, Noida (U.P.) उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

PP submitted following details on Parivesh Portal:

Project details	Information submitted by PP on the Parivesh portal	
Name of Project Proponent / Name of Company/ Institute	Shri Dinesh Kumar Pathak M/s The M.P. State Mining Corporation Ltd, R/o: Paryavas Bhawan, Block A, IInd Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.). <i>Prior Environment Clearance for Sand Quarry with a Production Capacity of 1,28,000 m³/year having a lease area of 24.40 Ha., at Survey No.- 410 in Village – Niwsai Ridiya, Tehsil - Raun, District – Bhind (M.P.), _For- EIA Presentation.</i> SIA/MP/MIN/535930/2025	
Khasra No. / Lease Area / Category of the project	Khasra No. – 410	Area in 24.40 Ha, Category of the project -B1
TOR status on Parivesh Portal	On- line TOR granted on dated: 24/04/2024.	
Name of River	Sand mining is proposed on – Sindh River	
Lease status according to available Google Image	PP submitted that : <ul style="list-style-type: none">Lease area is a partially submerged, which is 6.58 ha. Area is left as non- mining area	
Ekal Certificate Details	Regarding distance from Forest area/ Tehsildar comments / other sensitivity /ESZ/ DFO comments etc.	
Gram Panchayat NOC	Tharav Prastav issue on dated 12/06/2023.	
Lease status in the District Survey Report (DSR) .	PP submitted the lease details are mentioned in the DSR's Page no. 28 Sr. no - 43.	
Public Hearing issues	PP submitted that Public Hearing issues / objections/	

	suggestions raised during Public Hearing meeting are addressed properly in the EMP and in the CER proposal.
Name of Environmental Consultant	Environmental Consultant Shri Varun Bhardwaj , M/s. Zenith Environmental Consultancy (Noida) Firm's Validity up to 13/Jan/2026.

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति के संज्ञान में माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण सेन्ट्रल जोन बेंच भोपाल के प्रकरण क्रमांक 19/2025 के अन्तर्गत आदे । दिनांक 20/05/2025 के मुख्य बिन्दु लाये गये जिसके बिन्दु क्रमांक 59 में उल्लेख है कि भिण्ड जिले की 42 रेत खदानों में पर्यावरण स्वीकृति हेतु परीक्षण के दौरान निम्नलिखित बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया है ।

Environmental Clearance (EC) and Technical Appraisal

- In the 42 EC applications which are under review by SEAC , MPSMCL must submit upload Annual Replenishment Studies (Post – Monsoon 2024) for each lease.)
- SEAC shall evaluate environmental sensitivity (submergence status, proximity to ecological habitats, riverbank etc.).
- SEAC shall verify the alignment of each application with the approved District Survey Report), Replenishment Study, and prevailing environmental norms.

Biodiversity and Wildlife Protection

For the six sand mining sites where crocodiles were observed during the Joint Committee visit (Nivsai Rediva-1,2,3 and Nivsai 534-1, 2, 3):

- a) The Divisional Forest Officer (DFO), Forest Department Bhind shall conduct a detailed Biodiversity Assessment to ascertain the presence of Rare, Endangered, and Threatened (RET) Species, especially Ghariyals and periodically report to the SEIAA and Member Secretary, State Pollution Control Board for consideration and necessary action while granting EC for mining and minerals in the above area.
- b) Divisional Forest Officer (DFO), Forest Department Bhind shall submit a site-specific ecological report before any further mining activity is permitted at these sites.

Production Control & Mining Limits

- a. Excavation from each sand mine shall be limited to the lowest permissible quantity among the following parameters:
 - I. Capacity as per Approved Mining Plan.
 - II. 60% minable mineral potential as per approved DSR.

- III. Quantity specified in the Letter of Intent (LoI).
- IV. Quantity of mineable sand as per the latest Annual Replenishment Study.
- V. Quantity recommended by MPSEIAA & SEAC during EC grant.
- VI. Quantity permitted under the Consent to Operate (CTO) by MPPCB.

उपरोक्त माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण सेन्ट्रल जोन बेंच भोपाल के आदे 1 के संबंध में परियोजना प्रस्ताव के पर्यावरण सलाहकार द्वारा सहमति दी गई कि उनके द्वारा उक्त आदे 1 के अनुसार ईआईए रिपोर्ट में उपरोक्त सभी पर्यावरणीय संवेदन गैल बिन्दुओं का समावे 1 कर सं गोधित ईआईए रिपोर्ट प्रस्तुत की जावेगी। समिति द्वारा निर्दे 1 दिये गये कि प्र नाधीन रेत खदान की निम्न जानकारी के साथ पर्याप्त संख्या में जियोटेग फोटोग्राफ्स/ड्रोन वीडियोग्राफी भी प्रस्तुत की जावे :

- Replenishment Study (Post – Monsoon 2024),
- Submergence status,
- Proximity to Ecological Habitats,
- DFO Report w.r.t. Detailed rapid Biodiversity Assessment to Ascertain the presence of **Rare, Endangered, and Threatened (RET) Species, especially Crocodiles/Ghariyals**
- Site-specific Ecological Report before any further mining activity is permitted at these sites.
- 60% minable mineral potential as per approved DSR.

3. **Case No P2/744/2024 RAMAKANT PANDAY, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for BAHADURPURA RIVER SAND MINE in an area of 10.00 ha. (34,450 cum per annum) (Khasra No 1288, 1339,) Village – Bahadurpura , Tehsil - Roun, District - Bhind (M.P.). [535853] (EIA)**

The case is presented by the Environmental Consultant Shri Varun Bhardwaj, M/s. Zenith Environmental Consultancy (Noida) along with PP Shri Dinesh Kumar Pathak.

PP submitted following details on Parivesh Portal:

Project details	Information submitted by PP on the Parivesh portal	
Name of Project Proponent / Name of Company/ Institute	Shri Dinesh Kumar Pathak M/s The M.P. State Mining Corporation Ltd, R/o: Paryavas Bhawan, Block A, IInd Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.). <i>Prior Environment Clearance for Sand Quarry with a Production Capacity of 34,450 m3/year having a lease area of 10.00 Ha., at Survey No.- – 1288, 1339 in Village – Bahadurpura, Tehsil - Raun, District – Bhind (M.P.), _For- EIA Presentation.</i> SIA/MP/MIN/535853/2025	
Khasra No. / Lease Area / Category of the project	Khasra No. – 1288, 1339	Area in 10.00 Ha, Category of the project -B1
TOR status on Parivesh Portal	On- line TOR granted on dated: 24/04/2024.	
Name of River	Sand mining is proposed on – Sindh River	
Lease status according to available Google Image	PP submitted that : <ul style="list-style-type: none">Lease area is a partially submerged, which is 6.30 ha. Area is left as non- mining area	
Ekal Certificate Details	Regarding distance from Forest area/ Tehsildar comments / other sensitivity /ESZ/ DFO comments etc.	
Gram Panchayat NOC	Tharav Prastav issue on dated 08/06/2023.	
Lease status in the District Survey Report (DSR) .	PP submitted the lease details are mentioned in the DSR's Page no. 30 Sr. no - 49.	
Public Hearing issues	PP submitted that Public Hearing issues / objections/ suggestions raised during Public Hearing meeting are addressed properly in the EMP and in the CER proposal.	
Name of Environmental	Environmental Consultant Shri Varun Bhardwaj , M/s.	

Consultant	Zenith Environmental Consultancy (Noida) Firm's Validity up to 13/Jan/2026.
------------	---

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति के संज्ञान में माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण सेन्ट्रल जोन बेंच भोपाल के प्रकरण क्रमांक 19/2025 के अन्तर्गत आदे । दिनांक 20/05/2025 के मुख्य बिन्दु लाये गये जिसके बिन्दु क्रमांक 59 में उल्लेख है कि भिण्ड जिले की 42 रेत खदानों में पर्यावरण स्वीकृति हेतु परीक्षण के दौरान निम्नलिखित बिन्दुओं पर प्रका । डाला गया है ।

Environmental Clearance (EC) and Technical Appraisal

- In the 42 EC applications which are under review by SEAC , MPSMCL must submit upload Annual Replenishment Studies (Post – Monsoon 2024) for each lease.)
- SEAC shall evaluate environmental sensitivity (submergence status, proximity to ecological habitats, riverbank etc.).
- SEAC shall verify the alignment of each application with the approved District Survey Report), Replenishment Study, and prevailing environmental norms.

Production Control & Mining Limits

- a. Excavation from each sand mine shall be limited to the lowest permissible quantity among the following parameters:
- Capacity as per Approved Mining Plan.
 - 60% minable mineral potential as per approved DSR.
 - Quantity specified in the Letter of Intent (LoI).
 - Quantity of mineable sand as per the latest Annual Replenishment Study.
 - Quantity recommended by MPSEIAA & SEAC during EC grant.
 - Quantity permitted under the Consent to Operate (CTO) by MPPCB.

उपरोक्त माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण सेन्ट्रल जोन बेंच भोपाल के आदे । के संबंध में परियोजना प्रस्ताव के पर्यावरण सलाहकार द्वारा सहमति दी गई कि उनके द्वारा उक्त आदे । के अनुसार ईआईए रिपोर्ट में उपरोक्त सभी पर्यावरणीय संवेदन गील बिन्दुओं का समावे । कर सं गोधित ईआईए रिपोर्ट प्रस्तुत की जावेगी। समिति द्वारा निर्दे । दिये गये कि प्र नाधीन रेत खदान की निम्न जानकारी के साथ पर्याप्त संख्या में जियोटेग फोटोग्राफ्स/ड्रोन वीडियोग्राफी भी प्रस्तुत की जावे :

- Replenishment Study (Post – Monsoon 2024),
- Environmental Sensitivity (submergence status, proximity to ecological habitats, riverbank etc.).
- Submergence status,
- Proximity to Ecological Habitats,
- 60% minable mineral potential as per approved DSR.

4. Case No P2/750/2024 RAMAKANT PANDAY, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Ajeeta River Sand Mine in an area of 9.00 ha. (62,000 cum per annum) (Khasra No. 1, 360) Village - Ajeeta, Tehsil - Mehgaon, District - Bhind(M.P.). [535950] (EIA)

The case is presented by the Environmental Consultant Shri Varun Bhardwaj, M/s. Zenith Environmental Consultancy (Noida) along with PP Shri Dinesh Kumar Pathak.

PP submitted following details on Parivesh Portal:

Project details	Information submitted by PP on the Parivesh portal	
Name of Project Proponent / Name of Company/ Institute	Shri Dinesh Kumar Pathak M/s The M.P. State Mining Corporation Ltd, R/o: Paryavas Bhawan, Block A, IInd Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.). <i>Prior Environment Clearance for Sand Quarry with a Production Capacity of 62,000 m3/year having a lease area of 9.00 Ha., at Survey No.- – 1, 360 in Village – Ajeeta, Tehsil – Mehgaon, District – Bhind (M.P.), For- EIA Presentation. SIA/MP/MIN/535950/2025</i>	
Khasra No. / Lease Area / Category of the project	Khasra No. – 1, 360	Area in 9.00 Ha, Category of the project -B1
TOR status on Parivesh Portal	On- line TOR granted on dated: 24/04/2024.	
Name of River	Sand mining is proposed on – Sindh River	
Lease status according to available Google Image	PP submitted that : <ul style="list-style-type: none">Lease area is a partially submerged, which is 5.00 ha. Area is left as non- mining area	
Ekal Certificate Details	Regarding distance from Forest area/ Tehsildar comments / other sensitivity /ESZ/ DFO comments etc.	
Gram Panchayat NOC	Tharav Prastav issue on dated 08/06/2013.	
Lease status in the District Survey Report (DSR) .	PP submitted the lease details are mentioned in the DSR's Page no. 18 Sr. no - 2.	
Public Hearing issues	PP submitted that Public Hearing issues / objections/ suggestions raised during Public Hearing meeting are addressed properly in the EMP and in the CER proposal.	
Name of Environmental Consultant	Environmental Consultant Shri Varun Bhardwaj , M/s. Zenith Environmental Consultancy (Noida) Firm's Validity up to 13/Jan/2026.	

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक द्वारा अवगत कराया गया कि इस खदान की पूर्व में 46,080 घनमीटर/वर्ष की पर्यावरण स्वीकृति सिया द्वारा दिनांक 20/02/2024 को जारी की गई जो कि वर्तमान में दिनांक 06/04/2026 तक वैध है एवं म.प्र. शासन, खनिज साधन विभाग, मंत्रालय के पत्र दिनांक 31/05/2023 द्वारा प्रदेश के समस्त जिलों में घोषित रेत खदानों का अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि हेतु स्वीकृत है।

समिति द्वारा उपरोक्त के परिप्रेक्ष्य प्रकरण के परीक्षण करने पर पाया कि प्रश्नाधीन रेत खदान की पर्यावरण स्वीकृति 06/04/2026 तक वैध है तथा परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि रेत खदान की पूर्व में 46,080 घनमीटर/वर्ष की पर्यावरण स्वीकृति जारी की गई थी वर्तमान में रेत खदान की 46,080 घनमीटर/वर्ष की पर्यावरण स्वीकृति चाही गई है। ऐसी स्थिति में उसी मात्रा की पुनः पर्यावरण स्वीकृति हेतु आवेदन करने का कोई औचित्य प्रतीत नहीं होता है अतः प्रकरण विचार योग्य नहीं पाया गया है।

5. Case No P2/727/2024 RAMAKANT PANDAY, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for NIWSAI 534-2 RIVER SAND MINE in an area of 19.00 ha. (68,500 cum per annum) (Khasra No 534) VILLAGE- Niwsai, TEHSIL -Raun & DISTRICT - Bhind (M.P.). [535958] (EIA)

The case is presented by the Environmental Consultant Shri Varun Bhardwaj, M/s. Zenith Environmental Consultancy (Noida) along with PP Shri Dinesh Kumar Pathak.

PP submitted following details on Parivesh Portal:

Project details	Information submitted by PP on the Parivesh portal	
Name of Project Proponent / Name of Company/ Institute	Shri Dinesh Kumar Pathak M/s The M.P. State Mining Corporation Ltd, R/o: Paryavas Bhawan, Block A, IInd Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.). <i>Prior Environment Clearance for Sand Quarry with a Production Capacity of 68,500 m³/year having a lease area of 19,00 Ha., at Survey No.- 534 in Village – Niwsai, Tehsil – Raun, District – Bhind (M.P.), For- EIA Presentation.</i> SIA/MP/MIN/535958/2025	
Khasra No. / Lease Area / Category of the project	Khasra No. – 534	Area in 19.00 Ha, Category of the project -B1
TOR status on Parivesh Portal	On- line TOR granted on dated: 24/04/2024.	
Name of River	Sand mining is proposed on – Sindh River	
Lease status according to available Google Image	PP submitted that : <ul style="list-style-type: none"> Lease area is a partially submerged, which is 9.59 ha. Area is left as non- mining area 	
Ekal Certificate Details	Regarding distance from Forest area/ Tehsildar comments / other sensitivity /ESZ/ DFO comments etc.	
Gram Panchayat NOC	Tharav Prastav issue on dated 12/06/2023.	
Lease status in the District Survey Report (DSR) .	PP submitted the lease details are mentioned in the DSR's Page no. 28 Sr. no - 42.	
Public Hearing issues	PP submitted that Public Hearing issues / objections/ suggestions raised during Public Hearing meeting are addressed properly in the EMP and in the CER proposal.	
Name of Environmental Consultant	Environmental Consultant Shri Varun Bhardwaj , M/s. Zenith Environmental Consultancy (Noida) Firm's Validity up to 13/Jan/2026.	

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति के संज्ञान में माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण सेन्ट्रल जोन बेंच भोपाल के प्रकरण क्रमांक 19/2025 के अन्तर्गत आदे । दिनांक 20/05/2025 के मुख्य बिन्दु लाये गये जिसके बिन्दु क्रमांक 59 में उल्लेख है कि भिण्ड जिले की 42 रेत खदानों में पर्यावरण स्वीकृति हेतु परीक्षण के दौरान निम्नलिखित बिन्दुओं पर प्रका । डाला गया है ।

Environmental Clearance (EC) and Technical Appraisal

- In the 42 EC applications which are under review by SEAC , MPSMCL must submit upload Annual Replenishment Studies (Post – Monsoon 2024) for each lease.)
- SEAC shall evaluate environmental sensitivity (submergence status, proximity to ecological habitats, riverbank etc.).
- SEAC shall verify the alignment of each application with the approved District Survey Report), Replenishment Study, and prevailing environmental norms.

Biodiversity and Wildlife Protection

a) For the six sand mining sites where crocodiles were observed during the Joint Committee visit (Nivsai Rediya-1,2, 3 and Nivsai 534-1, 2, 3):

- a) The Divisional Forest Officer (DFO), Forest Department Bhind shall conduct a detailed Biodiversity Assessment to ascertain the presence of Rare, Endangered, and Threatened (RET) Species, especially Ghariyals and periodically report to the SEIAA and Member Secretary, State Pollution Control Board for consideration and necessary action while granting EC for mining and minerals in the above area.
- b) Divisional Forest Officer (DFO), Forest Department Bhind shall submit a site-specific ecological report before any further mining activity is permitted at these sites.

Production Control & Mining Limits:

- b. Excavation from each sand mine shall be limited to the lowest permissible quantity among the following parameters:
 - I. Capacity as per Approved Mining Plan.
 - II. 60% minable mineral potential as per approved DSR.
 - III. Quantity specified in the Letter of Intent (LoI).
 - IV. Quantity of mineable sand as per the latest Annual Replenishment Study.
 - V. Quantity recommended by MPSEIAA & SEAC during EC grant.
 - VI. Quantity permitted under the Consent to Operate (CTO) by MPPCB.

उपरोक्त माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण सेन्ट्रल जोन बेंच भोपाल के आदे 1 के संबंध में परियोजना प्रस्ताव के पर्यावरण सलाहकार द्वारा सहमति दी गई कि उनके द्वारा उक्त आदे 1 के अनुसार ईआईए रिपोर्ट में उपरोक्त सभी पर्यावरणीय संवेदन गील बिन्दुओं का समावे 1 कर सं गोधित ईआईए रिपोर्ट प्रस्तुत की जावेगी। समिति द्वारा निर्दे 1 दिये गये कि प्र नाधीन रेत खदान की निम्न जानकारी के साथ पर्याप्त संख्या में जियोटेग फोटोग्राफ्स/ड्रोन वीडियोग्राफी भी प्रस्तुत की जावे :

- Replenishment Study (Post – Monsoon 2024),
- Submergence status,
- Proximity to Ecological Habitats,
- DFO Report w.r.t. Detailed rapid Biodiversity Assessment to Ascertain the presence of **Rare, Endangered, and Threatened (RET) Species, especially Crocodiles/Ghariyals**
- Site-specific Ecological Report before any further mining activity is permitted at these sites.
- 60% minable mineral potential as per approved DSR.

6. **Case No P2/726/2024 RAMAKANT PANDAY, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for KAUNDH MADEYAN-1 RIVER SAND MINE in an area of 16.72 ha. (96,720 cum per annum) (Khasra No.01) VILLAGE- KAUNDH, TEHSIL -Raun & DISTRICT - Bhind (M.P.). [535960] (EIA)**

The case is presented by the Environmental Consultant Shri Varun Bhardwaj, M/s. Zenith Environmental Consultancy (Noida) along with PP Shri Dinesh Kumar Pathak.

PP submitted following details on Parivesh Portal:

Project details	Information submitted by PP on the Parivesh portal	
Name of Project Proponent / Name of Company/ Institute	Shri Dinesh Kumar Pathak M/s The M.P. State Mining Corporation Ltd, R/o: Paryavas Bhawan, Block A, IInd Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.). <i>Prior Environment Clearance for Sand Quarry with a Production Capacity of 96,720 m³/year having a lease area of 16.72 Ha., at Survey No.- 1 in Village – Kaundh, Tehsil – Raun, District – Bhind (M.P.), _For- EIA Presentation.</i> SIA/MP/MIN/535960/2025	
Khasra No. / Lease Area / Category of the project	Khasra No. – 1	Area in 16.72 Ha, Category of the project -B1
TOR status on Parivesh Portal	On- line TOR granted on dated: 24/04/2024.	
Name of River	Sand mining is proposed on – Sindh River	
Lease status according to available Google Image	PP submitted that : <ul style="list-style-type: none"> Lease area is a partially submerged, which is 7.82ha. Area is left as non- mining area 	
Ekal Certificate Details	Regarding distance from Forest area/ Tehsildar comments / other sensitivity /ESZ/ DFO comments etc.	
Gram Panchayat NOC	Tharav Prastav issue on dated 12/06/2023.	
Lease status in the District Survey Report (DSR) .	PP submitted the lease details are mentioned in the DSR's Page no. 32 Sr. no - 44.	
Public Hearing issues	PP submitted that Public Hearing issues / objections/ suggestions raised during Public Hearing meeting are addressed properly in the EMP and in the CER	

	proposal.
Name of Environmental Consultant	Environmental Consultant Shri Varun Bhardwaj , M/s. Zenith Environmental Consultancy (Noida) Firm's Validity up to 13/Jan/2026.

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति के संज्ञान में माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण सेन्ट्रल जोन बेंच भोपाल के प्रकरण क्रमांक 19/2025 के अन्तर्गत आदे । दिनांक 20/05/2025 के मुख्य बिन्दु लाये गये जिसके बिन्दु क्रमांक 59 में उल्लेख है कि भिण्ड जिले की 42 रेत खदानों में पर्यावरण स्वीकृति हेतु परीक्षण के दौरान निम्नलिखित बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया है ।

Environmental Clearance (EC) and Technical Appraisal

- In the 42 EC applications which are under review by SEAC , MPSMCL must submit upload Annual Replenishment Studies (Post – Monsoon 2024) for each lease.)
- SEAC shall evaluate environmental sensitivity (submergence status, proximity to ecological habitats, riverbank etc.).
- SEAC shall verify the alignment of each application with the approved District Survey Report), Replenishment Study, and prevailing environmental norms.

Production Control & Mining Limits

- b. Excavation from each sand mine shall be limited to the lowest permissible quantity among the following parameters:
 - I. Capacity as per Approved Mining Plan.
 - II. 60% minable mineral potential as per approved DSR.
 - III. Quantity specified in the Letter of Intent (LoI).
 - IV. Quantity of mineable sand as per the latest Annual Replenishment Study.
 - V. Quantity recommended by MPSEIAA & SEAC during EC grant.
 - VI. Quantity permitted under the Consent to Operate (CTO) by MPPCB.

उपरोक्त माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण सेन्ट्रल जोन बेंच भोपाल के आदे । के संबंध में परियोजना प्रस्ताव के पर्यावरण सलाहकार द्वारा सहमति दी गई कि उनके द्वारा उक्त आदे । के अनुसार ईआईए रिपोर्ट में उपरोक्त सभी पर्यावरणीय संवेदन गील बिन्दुओं का समावे । कर सं गोधित ईआईए रिपोर्ट प्रस्तुत की जावेगी। समिति द्वारा निर्दे । दिये गये कि प्र नाधीन रेत खदान की निम्न जानकारी के साथ पर्याप्त संख्या में जियोटेग फोटोग्राफ्स/ड्रोन वीडियोग्राफी भी प्रस्तुत की जावे :

- Replenishment Study (Post – Monsoon 2024),
- Environmental Sensitivity (submergence status, proximity to ecological habitats, riverbank etc.).
- Submergence status,
- Proximity to Ecological Habitats,
- 60% minable mineral potential as per approved DSR.

7. **Case No P2/732/2024 RAMAKANT PANDAY, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for NIWSAI 534 - 1 RIVER SAND MINE in an area of 19.86 ha. (1, 19,740 cum per annum) (Khasra No 534) VILLAGE- Niwsai, TEHSIL -Raun & DISTRICT - Bhind (M.P.). [535971] (EIA)**

The case is presented by the Environmental Consultant Shri Varun Bhardwaj, M/s. Zenith Environmental Consultancy (Noida) along with PP Shri Dinesh Kumar Pathak.

PP submitted following details on Parivesh Portal:

Project details	Information submitted by PP on the Parivesh portal	
Name of Project Proponent / Name of Company/ Institute	Shri Dinesh Kumar Pathak M/s The M.P. State Mining Corporation Ltd, R/o: Paryavas Bhawan, Block A, IInd Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.). <i>Prior Environment Clearance for Sand Quarry with a Production Capacity of 1,19,740 m³/year having a lease area of 19.86 Ha., at Survey No.- 1 in Village – Niwsai Tehsil – Raun, District – Bhind (M.P.), _For- EIA Presentation.</i> SIA/MP/MIN/535971/2025	
Khasra No. / Lease Area / Category of the project	Khasra No. – 534	Area in 19.86 Ha, Category of the project -B1
TOR status on Parivesh Portal	On- line TOR granted on dated: 24/04/2024.	
Name of River	Sand mining is proposed on – Sindh River	
Lease status according to available Google Image	PP submitted that : <ul style="list-style-type: none"> Lease area is a partially submerged, which is 7.53 ha. Area is left as non- mining area 	
Ekal Certificate Details	Regarding distance from Forest area/ Tehsildar comments / other sensitivity /ESZ/ DFO comments etc.	
Gram Panchayat NOC	Tharav Prastav issue on dated 12/06/2023.	
Lease status in the District Survey Report (DSR) .	PP submitted the lease details are mentioned in the DSR's Page no. 29 Sr. no - 45.	
Public Hearing issues	PP submitted that Public Hearing issues / objections/ suggestions raised during Public Hearing meeting are addressed properly in the EMP and in the CER	

	proposal.
Name of Environmental Consultant	Environmental Consultant Shri Varun Bhardwaj , M/s. Zenith Environmental Consultancy (Noida) Firm's Validity up to 13/Jan/2026.

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति के संज्ञान में माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण सेन्ट्रल जोन बेंच भोपाल के प्रकरण क्रमांक 19/2025 के अन्तर्गत आदे 1 दिनांक 20/05/2025 के मुख्य बिन्दु लाये गये जिसके बिन्दु क्रमांक 59 में उल्लेख है कि भिण्ड जिले की 42 रेत खदानों में पर्यावरण स्वीकृति हेतु परीक्षण के दौरान निम्नलिखित बिन्दुओं पर प्रका 1 डाला गया है ।

Environmental Clearance (EC) and Technical Appraisal

- In the 42 EC applications which are under review by SEAC , MPSMCL must submit upload Annual Replenishment Studies (Post – Monsoon 2024) for each lease.)
- SEAC shall evaluate environmental sensitivity (submergence status, proximity to ecological habitats, riverbank etc.).
- SEAC shall verify the alignment of each application with the approved District Survey Report), Replenishment Study, and prevailing environmental norms.

Biodiversity and Wildlife Protection

For the six sand mining sites where crocodiles were observed during the Joint Committee visit (Nivsai Rediya-1,2, 3 and Nivsai 534-1, 2, 3):

- a) The Divisional Forest Officer (DFO), Forest Department Bhind shall conduct a detailed Biodiversity Assessment to ascertain the presence of Rare, Endangered, and Threatened (RET) Species, especially Ghariyals and periodically report to the SEIAA and Member Secretary, State Pollution Control Board for consideration and necessary action while granting EC for mining and minerals in the above area.
- b) Divisional Forest Officer (DFO), Forest Department Bhind shall submit a site-specific ecological report before any further mining activity is permitted at these sites.

Production Control & Mining Limits

- c) Excavation from each sand mine shall be limited to the lowest permissible quantity among the following parameters:
 - I. Capacity as per Approved Mining Plan.
 - II. 60% minable mineral potential as per approved DSR.
 - III. Quantity specified in the Letter of Intent (LoI).
 - IV. Quantity of mineable sand as per the latest Annual Replenishment Study.

V. Quantity recommended by MPSEIAA & SEAC during EC grant.

VI. Quantity permitted under the Consent to Operate (CTO) by MPPCB.

उपरोक्त माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण सेन्ट्रल जोन बेंच भोपाल के आदे 1 के संबंध में परियोजना प्रस्ताव के पर्यावरण सलाहकार द्वारा सहमति दी गई कि उनके द्वारा उक्त आदे 1 के अनुसार ईआईए रिपोर्ट में उपरोक्त सभी पर्यावरणीय संवेदन गील बिन्दुओं का समावे 1 कर सं गोधित ईआईए रिपोर्ट प्रस्तुत की जावेगी। समिति द्वारा निर्दे 1 दिये गये कि प्र नाधीन रेत खदान की निम्न जानकारी के साथ पर्याप्त संख्या में जियोटेग फोटोग्राफ्स/ड्रोन वीडियोग्राफी भी प्रस्तुत की जावे :

- Replenishment Study (Post – Monsoon 2024),
- Submergence status,
- Proximity to Ecological Habitats,
- DFO Report w.r.t. Detailed rapid Biodiversity Assessment to Ascertain the presence of **Rare, Endangered, and Threatened (RET) Species, especially Crocodiles/Ghariyals**
- Site-specific Ecological Report before any further mining activity is permitted at these sites.
- 60% minable mineral potential as per approved DSR.

8. Case No 10785/2023 Shri Amit Kumar Shivhare, Partner, M/s Shri Balaji Stone Mill, JV, R/o 109, Gandhi Nagar, District-Mahoba (UP)-210427, Prior Environment Clearance for Didwara Stone Mine in an area of 2.00 ha. (36864 cum per year) (Khasra No. 1361/1/2), Village-Didwara, Tehsil-Laundi, District-Chhatarpur (MP) [535498] [DEIAA] (EIA).

प्रस्तावित खदान बी-1 श्रेणी के अंतर्गत पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति का है, जिसमें आज दिनांक 24/06/2025 को परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार सुश्री गरिमा श्रीवास्तव कार्डिनेटर, M/s. ASERIES Envirotek India Private Limited, Lucknow, U.P. उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी का नाम व पता	Shri AMIT KUMAR SHIVHARE, Partner, M/s SHRI BALAJI STONE MILL, 09, GANDHI NAGAR, MAHOBA (U.P.)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	1361/1/2 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	2.00 hectare.
स्थल	Village -Didwara, Tehsil-Lavkush Nagar, Distt.-Chhatarpur, Madhya Pradesh.	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला छतरपुर के पत्र क्रमांक 2898 दिनांक 28/06/2018 के द्वारा स्वीकृत।	
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है।	
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	डिया छतरपुर के पत्र क्रमांक 3110 दिनांक 19/12/17 के द्वारा पत्थर-36,864 घनमीटर /वर्ष हेतु पर्यावरणीय अनापत्ति प्राप्त है।	
प्रकरण की स्थिति	डिया से सिया।	
लीज क्षेत्र में क्रेशर की स्थिति	आवेदित फार्म के सरल क्रमांक 16.9 अनुसार लीज क्षेत्र में में क्रेशर प्रस्तावित नहीं।	
बोर्ड द्वारा जारी सम्मति की स्थिति	क्षेत्रीय कार्यालय, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सागर के पत्र Outward No:20375 दिनांक 20/11/2022 के द्वारा जारी संचालन सम्मति (सीटीओ) की वैधता दिनांक 18/12/2026 तक है।	
टॉर	सेक की 707वीं बैठक दिनांक 29/12/2023 को टॉर अनुशंसित। सिया के पत्र क्रमांक 2902 दिनांक 14/02/2024 के द्वारा पत्थर-36,864 घनमीटर/वर्ष के लिए टॉर जारी किया गया है, जिसके अनुसार परियोजना प्रस्तावक द्वारा ईआईए रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर-36,864 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार पत्थर-36,864 घनमीटर/वर्ष है।	

500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला छतरपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1466 दिनांक 27/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 14 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, इस प्रकार कुल रकबा 31.487 हे. होता है, अतः प्रकरण बी-1 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला छतरपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1466 दिनांक 27/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला छतरपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1466 दिनांक 27/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है।
ग्राम सभा/ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत डिडवारा जिला छतरपुर के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-14 दिनांक 22/07/09 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	लीज क्षेत्र में कुछ पेड़ हैं।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-168 के सरल क्रमांक-25 पर दर्ज है।

प्रस्तुतीकरण के दौरान पर्यावरण सलाहकार ने बताया कि लीज क्षेत्र में कुल 02 पेड़ हैं जो बबूल प्रजाति के हैं एवं कुछ झाड़ियाँ हैं 02 पेड़ काटे जाना प्रस्तावित हैं तथा उत्खनिपट्टे क्षेत्र के उत्तर पूर्व दिशा में 68 मी. पर हालेज रोड निकल रही है जो कि आवागमन के उपयोग में नहीं आती है।

उपरोक्त खदान को पूर्व में डिया जिला स्तरीय समिति द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिसकी शर्तों के पालन प्रतिवेदन समिति द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में अधिरोपित □□□□ की समीक्षा की गई।

सिया के पत्र क्रमांक 05 दिनांक 01/04/2025 के माध्यम से जिला-छतरपुर, तहसील-लवकुश नगर, ग्राम पंचायत-दिदवारा में दिनांक 14/11/2024 को आयोजित लोक सुनवाई (06 खदानों) की शिकायत सेक को प्रेषित की गई थी जिसके सरल क्रमांक 05 में प्रश्नाधीन खदान का विवरण दर्ज है

प्रस्तावित खदानों की पर्यावरण स्वीकृति हेतु खदान प्रबंधक द्वारा एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सागर द्वारा लोक सुनवाई का समय सुबह पूर्वाह्न 11 बजे से एवं पत्रांक 1291

में 2 बजे अपराह्न से किया गया था किन्तु प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सागर उपस्थित हुये अध्यक्षता कर रहे अनुविभागीय अधिकारी (sdm) लवकुशनगर भी 1.30 उपस्थित जिससे समस्त परियोजनाओं के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी ही नहीं जनमानुस के ग्रामीणों समस्याओं को नहीं सुन गया क्योंकि ग्रामीणों जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया समाचार पत्रों में लोक सुनवाई के विरोध प्रदर्शन की जानकारी प्रकाशित की गई । अतः सभी ग्रामीणों समस्या सुने बगैर ही लोक सुनवाई स्थगित कर दी गई

DEIAA से अनुरोध है दिनांक 14-11-2024 को की गई जन सुनवाई को निरस्त कर पुनः लोक सुनवाई का आयोजन किया जाए जिससे सभी ग्रामीण को खुलकर अपने अपने सुझाव आपत्ति टीका टिप्पणी व्यक्त करने का अवसर मिले।

प्रस्तुतीकरण के पश्चात् समिति द्वारा परियोजना प्रस्तावक को निम्न जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये :-

1. ईआईए पृष्ठ-XX बिन्दु-28 में प्लान्टेशन की स्थिति स्पष्ट करें, बिन्दु-29 में खण्डवा लिखा गया है, पृष्ठ-XXIV बिन्दु-12 को सुधार करें। पृष्ठ-XXVIII में कम्पलाईड का विवरण ईआईए चेप्टर अंकित करें।
2. ईआईए पृष्ठ-15 के फिगर 2.7 को सुधार करें, इस प्रकरण में कशिंग लागू नहीं है। पृष्ठ-45 के उपकरण एएक्यू के फोटो से स्पष्ट है कि वायु गुणवत्ता मापन का स्टेशन निधारित एसओपी के अनुसार नहीं है।
3. लोक सुनवाई पृष्ठ 99 से 113 तक अंकित विवरण (सुझाव/आपत्ति) का समुचित समाधान ईआईए में उल्लेख करें तदनुसार ईएमपी को पुनरीक्षित करें।
4. डिया द्वारा जारी ईसी शर्तों का पालन – लीज एरिया के चारो ओर फेन्सिंग, वृक्षारोपण, गारलैण्ड ड्रेन, सेटलिंग टैंक का निर्माण, बैरियर जोन की स्थिति आदि संबंधित जियोटेग फोटोग्राफ, प्रमाणित दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें।

9. Case No P2/990/2024 Narotam Dhaker, Owner, Dhakro ka Mohlla, Dobiya, Bhilwara, Rajasthan (M.P.) Prior Environment Clearance for Stone in an area of 1.50 ha. (Stone – 10500 m³/Year & M-Sand 4500 cum per year) (Khasra No. 1248, 1249) Vill. Fusriya, Teshil – Singoli, Distt. Neemuch (M.P.) [525344] (EIA).

प्रस्तावित खदान बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आज दिनांक 24/6/25 को परियोजना प्रस्तावक श्री नरोत्तम धाकड़ एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमित सक्सेना, मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	Shri Narotam Dhaker, Owner, Dhakro ka Mohlla, Dobiya, Bhilwara, Rajasthan	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	Khasra No. 1248,1249 (Govt. Land)	1.50 hectare.
स्थल	Village- Fusriya, Tehsil – Singoli, District- Neemuch (MP)	
CTE/CTO	Outward No:21877,02/05/2025, Consent No:CTE-129781, Date: 02/5/25	
Grant of Standard Terms of Reference (ToR)	18/5/2024	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नीमच के पत्र क्रमांक 412 दिनांक 07/03/24 के द्वारा स्वीकृत।	
Type of Blasting	Non-Blasting based Mining Plan	
Crusher within the mining lease area	Crusher plant is proposed within the lease area.	
प्रकरण की स्थिति	नया प्रोजेक्ट	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा Gitti – 10500 cum per year and M-Sand 4500 cum per year हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार Gitti – 10500 cum per year and M-Sand 4500 cum per year है।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नीमच के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 506 दिनांक 14/03/2024 के अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 02 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी नहीं दी गई है, जिनका कुल रकबा 09.500 हे. से अधिक होता है। अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नीमच के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 506 दिनांक 14/03/2024 के अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नीमच के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 506 दिनांक 14/03/2024 के अनुसार 07 किलोमीटर दूर राजस्थान राज्य की सीमा स्थित है।	
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत फुरसियों, जिला नीमच के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-08 दिनांक 24/01/24 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत	

	को कोई आपत्ति नहीं है ।
प्रस्तावित खदान की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में स्थिति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नीमच के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 506 दिनांक 14/03/2024 के अनुसार उक्त स्वीकृत खदान को नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित कर लिया जावेगा।
जन सुनवाई	समिति द्वारा प्रकरण से संबंधित जनसुनवाई के कार्यवाही विवरण, आमजन के सुझाव एवं प्राप्त आपत्तियों पर परियोजना प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा की गई एवं आवश्यकतानुसार परियोजना में प्रस्तावित सामाजिक/पर्यावरणीय कार्यों की समीक्षा की गई।

प्रस्तुतीकरण के दौरान पर्यावरण सलाहकार ने बताया कि लीज क्षेत्र में कुछ झाड़ियाँ हैं । उत्खनिपट्टे क्षेत्र के उत्तर-पूर्व दिशा में 45 मी. पर पक्का रोड इस संबंध में 55 मी. तक का क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र के रूप में छोड़ा जाना प्रस्तावित है, लीज के पूर्व दिशा में एक पुराना स्ट्रक्चर/खण्डहर है, उत्तर पूर्व दिशा में 93 मी. पर अन्य खदानों के शेड/ साईट आफिस हैं एवं पश्चिम दिशा में 336 मी. में एक प्राकृतिक नाला है।

PP further submitted that -:

- The purpose of the report is to get Environmental Clearance for Fusriya Stone (Gitti) & M Sand Quarry, (Survey No. 1248, 1249) Govt. land, having an area of 1.5000 Ha., situated near village Fusriya, Tehsil Singoli , District Neemuch, Madhya Pradesh for proposed production of mineral Stone 10,500 Stone (Gitti) and 4,500 M Sand cum per annum.
- Letter of Intent has been issued for extraction of mineral Stone and M Sand suitable for crushing purpose in survey No. 1248, 1249 over an area of 1.5000 Ha., situated near village Fusriya, Tehsil Singoli, District Neemuch, Under Rule 18 (2) of Madhya Pradesh Minor Mineral Rules, 1996, by District Collector (Khanij Branch) Neemuch vide letter No. 412/Khanij/Q.L.24-2023/2024 Neemuch Dated 07.03.2024 for a period of 10 years in favour of Shri Narotam Dhakar S/o Shri Ram Lal Dhakar, R/o Dhakdo Ka Mohalla, Village Dobiya, District- Bhilwara, (Raj.).
- The Mining Plan & Progressive Mine Closure Plan has been prepared for production of Stone Gitti 10,500 and & M-Sand 4,500 cum per annum and submitted the component Authority Under Rule 42 (C) of Madhya Pradesh Minor Minerals Rules 1996 for approval. The same has been approved by competent authority vide its Letter No. 39604 Dated 19.04.2024.
- The mining lease does not fall under forest land, Similarly, there are no National parks Sanctuaries, Biosphere reserves etc within a distance of 10 km around the lease area. A letter to this effect (Ekal Praman Patra) has been issued by Collector Office (Khanij Branch), Neemuch Madhya Pradesh vide letter No. 506/ khanij/2023-24 Neemuch, dated 14.03.2024.

- The mining lease does not fall under forest land, Similarly, there are no National parks Sanctuaries, Biosphere reserves etc within a distance of 10 km around the lease area. A letter to this effect (Ekal Praman Patra) has been issued by Collector Office (Khanij Branch), Neemuch Madhya Pradesh vide letter No. 506/ khanij/2023-24 Neemuch, dated 14.03.2024.

प्रस्तुतीकरण के पश्चात् समिति द्वारा परियोजना प्रस्तावक को निम्न जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये :-

1. ईआईए टॉर बिन्दु-16.44, 16.48, 16.97 में उल्लेखित विवरण ईआईए के ईएमपी पृष्ठ-221 के अनुरूप नहीं है। पृष्ठ-22 में फिगर 2.1 के अनुसार वाटर बैलेंस प्रस्तुत करें। पृष्ठ-33 पर ब्लास्टिंग का उल्लेख है, स्थिति स्पष्ट करें।
2. ईआईए पृष्ठ-123 पर एएक्यू उपकरण के फोटो से स्पष्ट है कि वायु गुणवत्ता मापन का स्टेशन निर्धारित एसओपी के अनुसार नहीं है। पृष्ठ-173, तालिका-4.2.1 के परिप्रेक्ष्य में अंकित पेरा को संशोधित करें। जल स्रोतों के बारे में स्पष्ट उल्लेख किया जाये यथा हेण्डपम्प/कुंआ/बोरवेल आदि।
3. लोक सुनवाई पृष्ठ 99 से 113 तक अंकित विवरण (सुझाव/आपत्ति) का समुचित समाधान ईआईए में उल्लेख करें तदनुसार ईएमपी को पुनरीक्षित करें।
4. डिया द्वारा जारी ईसी शर्तों का पालन – लीज एरिया के चारों ओर फेन्सिंग, वृक्षारोपण, गारलैण्ड ड्रेन, सेटलिंग टैंक का निर्माण, बैरियर जोन की स्थिति आदि संबंधित जियोटेग फोटोग्राफ, प्रमाणित दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें।

10. Case No 152/2008 M/s Rajkumar N.Tirpude Civil line, Nagpur , Maharashtra Dolomite mine 5.0 hect. Vill-Malegaon, Teh: Souncer Chhindwara M.P.[536220] (Transfer of EC)

उक्त प्रकरण पर्यावरण स्वीकृति के हस्तान्तरण का है जिसका निर्णय केन्द्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के ऑफिस मेमोरेण्डम दिनांक 29/02/2025 के प्रकाश में प्रकरण में कार्यवाही सिया स्तर से किया जाना है अतः समिति ने निर्णय लिया कि यह प्रकरण को सिया को प्रेषित किया जावे।

11. Case No P2/1040/2025 ANTIM CHOUHAN, Niwali Micro Lift Irrigation Project, OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER NARMADA VIKAS SANBHAG NO. 11 BARWANI DISTT.- BARWANI Niwali Micro lift irrigation Project is proposed to Irrigate 33,179 Ha Culturable command area in Pati, Barwani, Niwali and Rajpur Tehsils in Barwani District in Madhya Pradesh. [522436] Query Reply (B2)

- Earlier in this case was discussed and TOR was issued in the SEAC 775th dated 21.02.2025.
- SEIAA referred back this case vide 879th meeting dated 18.03.2025 wherein following query was issued.

17. Case No. P2/1040/2025: Prior Environment Clearance for Niwali Micro lift irrigation Project is proposed to Irrigate 33,179 Ha Culturable command area in Pati, Barwani, Niwali and Rajpur Tehsils in Barwani District in Madhya Pradesh.(M.P.) by Executive Engineer, Office of the Executive Engineer Narmada Vikas Sanbhag NO. 11 Barwani Distt.- Barwani Cat. - 1(c) River Valley / Irrigation Projects, ToR .on-line proposal no. SIA/MP/RIV/522436/2025 Email: nddivisionno11barwani@rediffmail.com

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 775 वी बैठक दिनांक 21.02.24 में उक्त प्रकरण में मानक एवं अन्य शर्तों (परिशिष्ट-डी) सहित टॉर जारी किये जाने हेतु अनुशंसा की गई है।

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा प्रकरण का अवलोकन करने पर प्रथम दृष्टया निम्ननासार स्थिति पाई गई :-

परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर अपलोड KML फाईल के आधार पर प्रस्तावित परियोजना से अंतराज्यीय सीमा (महाराष्ट्र) 3.19 किलो मीटर की दूरी पर स्थित है, जबकि कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग बड़वानी द्वारा परिवेश पोर्टल पर अपलोड पत्र अनुसार अंतराज्यीय सीमा की दूरी 52 किलोमीटर होना बताया गया है। भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 25.06.2014 अनुसार 1(c) श्रेणी की परियोजनाओं में यदि अंतराज्यीय सीमा 10 किलोमीटर के अंदर स्थित है तो प्रकरण ए-श्रेणी के अंतर्गत होने के कारण भारत सरकार द्वारा निर्णय किया जायेगा।

अतः प्राधिकरण द्वारा विस्तृत चर्चा एवं परामर्श उपरांत निर्णय लिया गया कि उपरोक्त के दृष्टिगत प्रकरण पुनः परीक्षण हेतु SEAC को अग्रेषित किया जाये।

With reference to above SEIAA query this case was discussed in 789th SEAC Meeting dated 29-05-2025. The query was reply was presented by the Env. Consultant .

In view of SEIAA referred back case the committee found that the reply submitted in lieu of EDS do not reveal sound technical support. The presentation made on-line by the Environmental Consultant on behalf of PP has assured to modify the reply in view of restricting laying of distribution pipelines within 05 Kms of interstate boundary to comply with EIA Notification under 25.06.2014.

With reference to above context PP submitted mmodified reply in view of restricting laying of distribution pipelines within 05 Kms of interstate boundary to comply with EIA Notification.

Hence this case was scheduled

The query was reply was presented by the Env. Consultant Shri R. S. Bhatiya, on-line M/s R. S. Envirolinks Technologies Pvt. Ltd., Gurugram and authorized representative of PP Shri Antim Chouhan Executive Engineer .

PP submitted that -:

- Project was recommended by SEAC for issue of TOR in its 775th meeting held on 21/02/2025
- SEIAA during its 879th meeting held on 18/03/2025 have reviewed the SEAC recommendation and noted that the proposed scheme is at a distance of 3.19 km from interstate boundary with Maharashtra, therefore, as per EIA notification dated 25/06/2014 (amendment), item 1(c), schemes falling within 10 Km of interstate boundary are Category A projects and therefore to be appraised by Government of India.
- SEAC reviewed the matter in its meeting held on 29/04/2025 and noted that, “In view of SEIAA referred back case the committee found that the reply submitted in lieu of EDS do not reveal sound technical support. The presentation made on-line by the Environmental Consultant on behalf of PP has assured to modify the reply in view of restricting laying of distribution pipelines within 05 Kms of interstate boundary to comply with EIA Notification under 25.06.2014.”
- Updated reply, as discussed in presentation was submitted online on 9/5/2025 to close ADS.
- Main project components i.e. pump houses, distribution chambers and rising main are all more than 20 Km away from interstate boundary. A certificate is issued by PWD in this regard.
- Shortest distance from state boundary of RM is 10.60 Km.
- Beyond this only distribution network of HDPE pipes will carry water up to 5 ha chak, thereafter farmers will use their own flexible hose/sprinklers. Distribution network provided by project is more than 5 Km away.
- Command boundary, which is drawn is of Gross Command Area (GCA) which is based on the village boundary, which need to be benefitted due to project and the minimum distance which has been pointed out by the SEIAA is of the command boundary.

- We are committed that no major project components or land acquisition is envisaged within 10 Km of the interstate boundary.
- This is a public interest project and farmers need water in that area
- Being a lift irrigation scheme, without any dam/submergence; no significant land requirement, therefore No R&R issues; and minimal environmental impacts
- Already substantial time has been lost waiting for the TOR, a fresh application to center for TOR will delay the project further.
- Therefore, it is requested that kindly issue the TOR so that project can complete environment clearance process without any further delay.

In view of above facts as the project is maintaining desired distance from interstate boundaries to be considered as category B. However, in such projects the PP must ensure to make available water for public utilities for the population residing near interstate boundaries. In no case the population at the out skirt of the project and within state boundary shall be deprived of water supply, irrigation of agriculture land etc.

Hence, standby earlier recommendation as made in 775th Dated 21/02/2025 for TOR.

12. Case No P2/1012/2024 Shri Vinod Kumar Khedia, Partner, M/s KISAN MINERAL PRIVATE LTD, Khedia Bhawan, P.O. Bijuri District- Anuppur MP- 484440. Prior Environment Clearance for Granite Mine in an area of 24.5 ha. (36,688 cum per annum) (Khasra No. 587) Village Madwa, Tehsil- Lovekushnagar & District Chhatarpur (M.P.) [521377] Query Reply (EIA)

पूर्व में प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ Standard TOR जारी किया गया था एवं सेक की 779वीं बैठक दिनांक 25/03/2025 को ईआईए प्रस्तुत की गई थी जिसमें चर्चा उपरान्त परियोजना प्रस्तावक को निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये:-

1. स्वीकृत माईनिंग प्लान एवं डीएसआर अनुसार कोर्डिनेट्स मिलान की स्थिति स्पष्ट करें।
2. ईआईए रिपोर्ट में टॉर कम्पलाईन्स के अन्तर्गत दी गई बिन्दुवार जानकारी में Noted उल्लेख किया गया है, ईआईए के किस चेप्टर में जानकारी दी गई है उन बिन्दुओं का उल्लेख किया जाना चाहिये अतः टॉर कम्पलाईन्स की संशोधित जानकारी प्रस्तुत करें।
3. सतही जल गुणवत्ता के मॉनिटरिंग लोकेशन के बिन्दुओं SW-1, SW-2 की जाँच पुनः की जाकर परिणाम प्रस्तुत करें। मृदा जाँच में SAR पैरामीटर की जाँच की जाकर प्रस्तुत करें।
4. भू-जल गुणवत्ता, सरफेस जल गुणवत्ता, वायु गुणवत्ता के परिणामों को निर्धारित मापदण्डों तथा प्रस्तावित ईएमपी के परिप्रेक्ष्य में समीक्षा कर इन्वायरमेन्टल कॉस्ट बेनेफिट एनालीसिस प्रस्तुत किया जाये।
5. सी.ई.आर. गतिविधि के अन्तर्गत समिति द्वारा सुझाये अनुसार जन सुनवाई में उठाये बिन्दुओं/सुझाव/टीका-टिप्पणी के अनुसार समीप के शासकीय प्राथमिक/माध्यमिक/उच्चतर शालाओं में सोलर पेनल/सोलर लाईट की व्यवस्था तथा विज्ञान मॉडल/विज्ञान शिक्षा प्रचार संबंधी वॉल-पेंटिंग आदि के प्रस्ताव के साथ संशोधित सी.ई.आर. योजना प्रस्तुत करें।

आज दिनांक 24.06.2025 को परियोजना प्रस्तावक का अधिकृत प्रतिनिधि श्री प्रदीप मिश्रा एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री कृष्णचन्द्र पांडा Online, मसर्स ओशियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन्स (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. (ऑनलाइन) उपस्थित हुए और उनका द्वारा समिति का समक्ष उपरोक्त क्वेरी के संबंध में प्रस्तुतीकरण किया गया।

प्रस्तुतीकरण के दौरान पर्यावरण सलाहकार द्वारा बताया गया कि प्रकरण समामेलन हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति का है जिसके लिये एलओआई क्रमांक- 1039-40/खनिज/न.क्र. 30/उ.प्र./2019, भोपाल, दिनांक 25/01/2020 के माध्यम से जारी हुई है, जिसका समामेलन

किये जाने पर एक ब्लॉक में कुल रकबा 24.5 हे. होता है। समामेलन खदानों द्वारा बोर्ड से म. प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से संचालन सम्मति प्राप्त है जो परिवेश पोर्टल पर अपलोड है। स्वीकृत उत्खनिपट्टों के समामेलन पश्चात् आवेदक मेसर्स किसान मिनरल प्रा.लि. के पक्ष में ग्राम मडवा के खसरा क्र. 587 का कुल रकबा 24.5 हे. ग्रेनाइट खनिज हेतु उत्खनिपट्टा अवधि 15/07/1997 से 14/07/2027 तक के लिये स्वीकृत मान्य होगा।

During presentation PP submitted that LoI issued for following details about the project:

- Madwa Granite Quarry/Mine project is situated at Village- Madwa Tehsil- Lavkush Nagar, District- Chhatarpur, and State- Madhya Pradesh over an area of 24.50 Ha M/s Kisan Mineral Pvt. Ltd. proposes the concerned Madwa Granite Quarry/Mine Project.
- The approval for mining of Madwa Granite Quarry/Mine over an area of 24.50 Ha at Khasra no. 587 near- Village- Madwa, Tehsil- Lavkushnagar, District- Chhatarpur, State Madhya Pradesh has been issued by the Government of Madhya Pradesh vide letter no. पृ. क्रमांक- 1039-40/खनिज/न.क्र. 30/उ.प्र./2019, भोपाल, दिनांक 25/01/2020.
- The project proponent is intended to the production 36,688 cum/Year Gitti Stone (within 5 Years) for proposal for five years as per the approved mine plan. The estimated project cost is Rs 50 Lakhs.
- This project is individual lease >5 Ha, Hence, as per OM dated 12-12-2018 it falls under category 'B1'
- The water table in the area is at about 40-45 mbgl (as per approved mine plan) & mining is proposed up to 48 m. Thus, the mining operation shall not intersect groundwater. Hence, no need for any permission from CGWA.

Committee after discussion has examined reply of ADS by PP dated 17.05.2025 and arrived on following points to be clarified by PP and consultant:

- I. Undertaking for coordinates is not supported by mining authority.
- II. Annexure II EIA page 6, point no. 1.4.3 requires correction for chapter 8 & 9. Page-8 reply for TOR points 1.1 and 1.5 requires

justification . Page – 9 TOR points 1.6, 1.11 requires geotag photographs as it is existing mines hence barrier protection, plantation and fencing is must. Page 14 TOR points 7.2 requires clarification, Page 18 TOR point (h) reply in line of MoEF&CC circular dated 30/05/2012 requires clarification. Reply of TOR 16.1, 16.25, 16.41, 16.50 requires revision in view of EIA details. TOR point 16.52, 16.58 are kept blank without response, Ponit 16.79 not complied.

- III. EIA Page 36, point no. 6 reply is not proper, Page 56, point no. 2.5.5, Page 141 serial no. 3 objectives of CEMP reveals about blasting as per requirement, please clarify. Page 57, 58 and 59 of report reveals that mining is for last 08 years in three pits of 14.62 ha. Area hence compliance as per MoEF&CC order dated 30.05.2012 is requires.
- IV. EIA page 69, waste water generated 0.97 KLD, disposal is proposed through tankers, please clarify. Page 84 report table 3.5 water quality criteria below E is mentioned please clarify.
- V. Page 88 -89 surface water quality report MPN is not mentioned? It was required to repeat water quality monitoring in ADS, not complied.
- VI. EMP page 166 / 167 reveals that wire fencing, garland drain, settling tanks, plantation on barrier zone is yet to be done as per report page 57-59 mine is in operation for last many years. Please submit Geotag photographs

13. Case No P2/1148/24 Shri Vipin Narendra Kandhari, Director, DRK The Crest by Sahil Group M/s JK Horizon LLP., 403-404, Block Infinite, Shivneri Sahil Empire, Bicholi Mardana, Indore, (M.P.) – 452001 . Prior Environment Clearance for PROPOSED CONSTRUCTION OF “DRK The Crest by Sahil Group” Project at Khasra No. - Survey No. 41/3/1,41/4/2,42/1/1,42/2/1 and 43/1/1 Village Mayakhedi, Tehsil - Kanadiya Bypass Road, Indore (M.P.), Total Project Area – 2.476 ha., Built up Area – 63,613.80 sq mt., Cat. - 8(a). Building and Construction projects. SIA/MP/INFRA2/518947/ 2024. B-2.

This is a case of Prior Environmental Clearance for Proposed Construction of “DRK The Crest by Sahil Group” Project at Khasra No. - Survey No. 41/3/1,41/4/2,42/1/1,42/2/1 and 43/1/1 Village Mayakhedi, Tehsil - Kanadiya Bypass Road, Indore (M.P.), The project requires prior EC before the commencement of any activity at the site under Category 8(a). The PP submitted following information on the Parivesh portal:

- Earlier this case was discussed in 781th SEAC Meeting dated 03-04-2025, wherein following queries was issued and
- In the 788th SEAC Meeting dated 28/04/2025, PP along with Environmental Consultant was absent.

ADS- 781th SEAC Meeting dated 03-04-2025 :-

1. Revised STP proposal in light of water consumption as per guidelines.
2. Other options for green area enhancement in the project area.
3. Details regarding water supply, waste handling during construction period.
4. Quantity of water requirement that can be met from recycling of treated waste water and from water harvesting.
5. Impact of the project on the Ground Water.
6. Provisions made to avoid flooding of the area , details of the drainage facilities provided .
7. Measures proposed to be undertaken during deployment of construction labourers that may lead to unsanitary conditions nearby project site.
8. On-site facilities for the collection, treatment and safe disposal of sewage, treatment capacity, recycling and disposal.
9. Details of dual plumbing system to ensure use of treated sewage for flushing of toilets and any other use.
10. Proposal for tree plantation, land scaping, creation of water body if any.

11. Details of background air quality levels with predicted values taking into account the increased traffic generation due to proposed construction.
12. Details of internal roads, bicycle tracks, pedestrian path ways, foot paths etc. with area covered.
13. Impact of DG sets and other equipments on noise levels and vibration in and AAQ around the project site.
14. Details of energy conservation measures in the selection of building materials and their energy efficiency.
15. Transport and handling of materials during construction may result in pollution & public nuisance, proposed measures to minimize the impacts.
16. Methods of collection, segregation and disposal of the garbage generated during the construction and operation phases of the project.
17. Energy consumption assume per square feet of built-up area & measures to minimize the same.
18. Precautions & safety measures proposed to manage fire hazards.
19. Rate of air infiltration into the building & its mitigating measures.
20. Revised CER with physical target including specific location as name of Govt. school/name of village etc. as suggested by the committee.
21. The EMP has to cover mitigation measures for above activities to be undertaken during construction and operation to minimize adverse environmental impacts as a result of project activities along with environmental monitoring plan.

The case is presented by the Environmental Consultant Shri Shri Shubham Dubey, M/s ENVISOLVE LLP, Indore (M.P.) on behalf of PP. Wherein Env. Consultant submitted that –

- The STP proposal (310 KLD, MBBR technology) has been revised..
- **Water Requirement, Waste Water Generation, Water Balance, Waste Water Treatment-**

S. No.	Particulars	Occupants/ Area	Rate (lpcd)		Water Requirement (KLD)		
			Domestic	Flushing	Domestic	Flushing	Total
1	Shops						
	Staff	85	25	20	2.12	1.69	3.81
	Visitors	762	5	10	3.81	7.62	11.43
2	Offices						
	Staff	1030	25	20	25.75	20.60	46.35

	Visitors	115	5	10	0.57	1.15	1.72
3	Residential Units						
	Staff	1520	90	45	136.80	68.40	205.20
	Visitors	152	5	10	0.76	1.52	2.28
4	Horticulture	2199.40	-	5 L/m2	-	11.00	11.00
	Total				169.81	111.98	281.78

- **Wastewater Generation, STP Load, Treated Water Available and Its Usage**

Details	Water (KLD)
Wastewater generated from domestic use @80%	135.85
Wastewater generated from Flushing @100% (excluding the demand of horticulture & HVAC)	100.98
Total wastewater generated	236.83
Required STP capacity @ 25% more than wastewater generated	296.03
Proposed STP capacity	310 KLD
Treated water available @ 90% considering 10% evaporation losses	213.14
Treated water usage	111.98 (100.98: flushing+11: horticulture)
Hence, the water sent to municipal drainage	213.14 – 111.98 KLD = 101.16 KLD
Total fresh water requirement	169. 81 KLD

- Details regarding water supply, waste handling during construction period.
 - **Water Supply-** Water will be sourced from tankers during construction period.

- **Waste handling during construction period-**
- The generated Excavation waste (Black cotton soil) will be used for green cover area of this proposed project & Rocks will be used for construction of internal roads at site, Levelling purpose and left out excavated material will be sold to authorized dealers.
- Approximately 35 workers will be employed during the construction phase, generating about 5.25 kg/day of domestic solid waste, which will be sent to the municipal collection system for composting.
- Quantity of water requirement that can be met from recycling of treated waste water and from water harvesting.
 - Treated/Recycled Water Requirement: 65.03 KLD.
 - Total 3 pits will be made for RWH which will be recharge upto 436.15 KLD of water.
- On-site facilities for the collection, treatment and safe disposal of sewage, treatment capacity, recycling and disposal.
 - A 310 KLD Sewage Treatment Plant (STP) is proposed for the treatment of domestic wastewater. The total treated water available will be approximately 213.14 KLD, out of which 100.98 KLD will be utilized for flushing, 11 KLD for horticulture, and the remaining 101.16 KLD will be discharged into the municipal drainage system.
- Trees with an average height of approximately 8 to 10 feet will be planted. Landscaping plan is incorporated in presentation. The Total Green Belt area proposed- 2199.40 m² . Total 200 trees will be planted.
- 30% of the total power requirement will be met through solar energy

Env. Consultant has informed that CTE is issued by MPPCB, however, the same is not uploaded.

The committee has decided that in this case , CTE or comments from MPPCB as per MoEF&CC O.M. dated 14/01/2025 are required to be uploaded on the Parivesh Portal.

14. Case No P2/1149/24 Shri Mohit Arora, Director, M/s AMAR KRISHNA LEISURE PRIVATE LIMITED, at Khasra no. 192/1,196/1,196/3,211/1/1/1,211/1/1/2, at village Arandiya Tehsil & District, Indore. (M.P.), – 453771, Prior Environment Clearance for Proposed expansion of "Hotel Project" by Amar Krishna Leisure Private Limited, at Khasra no. 192/1,196/1,196/3,211/1/1/1,211/1/1/2, at village Arandiya Tehsil & District, Indore. (M.P.), Total Project Area – 1.851 Ha., Total Built up Area – 29,747.19 sq mt. (Existing Area – 19,216.25 sq.mt. Proposed Area – 10,530.94 sq.mt., Total Built-up Area of the Hotel after Expansion will be 29,747.19 sq.mt.) [SIA/MP/INFRA2/527230/2025.] (Query Reply) (B2).

This is a case of Prior Environmental Clearance for "Hotel Project" by Amar Krishna Leisure Private Limited in Indore. The project requires prior EC before the commencement of any activity at the site under Category 8(a). The PP submitted following information on the Parivesh portal:

- **Earlier this case was discussed in 781th SEAC Meeting dated 03-04-2025 wherein following queries was issued.**
 1. Revised STP proposal in light of water consumption as per guidelines.
 2. Other options for green area enhancement in the project area.
 3. Details regarding water supply, waste handling during construction period.
 4. Quantity of water requirement that can be met from recycling of treated waste water and from water harvesting.
 5. Impact of the project on the Ground Water.
 6. Provisions made to avoid flooding of the area , details of the drainage facilities provided .
 7. Measures proposed to be undertaken during deployment of construction labourers that may lead to unsanitary conditions nearby project site.
 8. On-site facilities for the collection, treatment and safe disposal of sewage, treatment capacity, recycling and disposal.
 9. Details of dual plumbing system to ensure use of treated sewage for flushing of toilets and any other use.
 10. Proposal for tree plantation, land scaping, creation of water body if any.
 11. Details of background air quality levels with predicted values taking into account the increased traffic generation due to proposed construction.

12. Details of internal roads, bicycle tracks, pedestrian path ways, foot paths etc. with area covered.
13. Impact of DG sets and other equipments on noise levels and vibration in and AAQ around the project site.
14. Details of energy conservation measures in the selection of building materials and their energy efficiency.
15. Transport and handling of materials during construction may result in pollution & public nuisance, proposed measures to minimize the impacts.
16. Methods of collection, segregation and disposal of the garbage generated during the construction and operation phases of the project.
17. Energy consumption assume per square feet of built-up area & measures to minimize the same.
18. Precautions & safety measures proposed to manage fire hazards.
19. Rate of air infiltration into the building & its mitigating measures.
20. Revised CER with physical target including specific location as name of Govt. school/name of village etc. as suggested by the committee.

The EMP has to covered mitigation measures for above activities to be undertaken during construction and operation to minimize adverse environmental impacts as a result of project activities along with environmental monitoring plan.

The case is presented by the Environmental Consultant Shri Shri Shubham Dubey, M/s ENVISOLVE LLP, Indore (M.P.) on behalf of PP. Wherein Env . Consultant submitted that –

- The STP proposal (235 KLD, MBR technology) has been revised.
- **Water Requirement, Waste Water Generation, Water Balance, Waste Water Treatment-**

Particulars	Number s	Water Requirement (KLD)								
		Existing			Proposed			Grand Total (E+P)		
		D	F	T	D	F	T	D	F	T
Room Guests	E: 200	52	12	64	-	-	-	52	12	64
	P:104	-	-	-	27.04	6.24	33.3	27.04	6.24	33.28
Guest	E:810	44.55	12.2	56.7	-	-	-	44.55	12.15	56.7

(Restaurant, Banquet hall)	P:660	-	-	-	36.3	9.9	46.2	36.3	9.9	46.2
Staff	E:133	3.33	2.66	5.99	-	-	-	3.33	2.66	5.99
	P:93	-	-	-	2.33	1.86	4.19	2.33	1.86	4.19
Horticulture	2749.11		13.7	13.75	-	-	-		13.75	13.75
Total water requirement		99.88	40.6	140.43	65.67	18	83.67	165.54	58.56	224.10

• **Wastewater Generation, STP Load, Treated Water Available and Its Usage**

Details	Existing	Proposed	Total
Wastewater generated from domestic use @80%	79.9	52.53	132.43
Wastewater generated from Flushing @ 100%(excluding horticulture)	26.81	18	44.81
Total wastewater generated	106.71	70.53	177.24
Required STP capacity@25% more than wastewater generated	133.38	88.16	194.97
Proposed STP capacity	140	95	235
Treated water available @90% considering 10% evaporation losses	96.04	63.48	159.52
Treated Water usage	40.56	18	58.56
Hence, the water sent to municipal drainage	55.48	45.48	100.96
Total fresh water requirement	99.88	65.67	165.54

- Dense plantation at Ralamandal will be carried out in consultation with the DFO under CER heads.
- Details regarding water supply, waste handling during construction period.
 - a. **Water Supply-** Water will be sourced from tankers during construction period.
 - b. **Waste handling during construction period-**
 1. The generated Excavation waste (Black cotton soil) will be used for green cover area of this proposed project & Rocks will be used for construction of internal roads at site,

Levelling purpose and left out excavated material will be sold to authorized dealers.

2. Approximately 30 workers will be employed during the construction phase, generating about 4.5 kg/day of domestic solid waste, which will be sent to the municipal collection system for composting.

- Treated/Recycled Water Requirement: 58.56 KLD. Total 3 pits will be made for RWH which will recharge up to 251.44 KLD of water.
- After expansion total capacity of STP will be 235 KLD for the treatment of domestic wastewater. The total treated water available will be approximately 159.52 KLD, out of which 58.56 KLD will be utilized, and the remaining 100.96 KLD will be discharged into the municipal drainage system.
- Trees with an average height of approximately 8 to 10 feet will be planted. Landscaping plan is incorporated in presentation. The Total Green Belt area proposed- 2749.11 m². Total 185 trees will be planted.
- 30% of the total power requirement will be met through solar energy.
- Wastewater Generation, STP Load, Treated Water Available and Its Usage.

Details	Existing	Proposed	Total
Wastewater generated from domestic use @80%	79.9	52.53	132.43
Wastewater generated from Flushing @100%(excluding horticulture)	26.81	18	44.81
Total wastewater generated	106.71	70.53	177.24
Required STP capacity@25% more than wastewater generated	133.38	88.16	194.97
Proposed STP capacity	140	95	235
Treated water available @90% considering 10% evaporation losses	96.04	63.48	159.52
Treated Water usage	40.56	18	58.56
Hence, the water sent to municipal drainage	55.48	45.48	100.96
Total fresh water requirement	99.88	65.67	165.54

- Total Rain Water Harvesting pits proposed-03

Env. Consultant has informed that CTE for expansion is issued by MPPCB, however, the same is not uploaded.

The committee has decided that in this case , CTE or comments from MPPCB as per MoEF&CC O.M. dated 14/01/2025 are required to be uploaded on the Parivesh Portal.

अध्यक्ष की अनुमति से चर्चा के अन्य बिन्दु :-

- Member Secretary SEAC informed that fee is being deposited at SEIAA Secretariate, so adequacy of fee shall be verified by SEIAA Secretariate.
- The project proponent shall comply the MOEF&C's O.M. dated 24 July 2024 for ensuring plantation.
- Member Secretary, SEAC shall forward the cases to MPPCB for necessary action/comments till arrangement are not made available on Parivesh Portal in compliance of MOEF&C's O.M. dated 14.01.2025.

(ए.ए.मिश्रा)
सदस्य सचिव

(राकेश कुमार श्रीवास्तव)
अध्यक्ष

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.

21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
 - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - e. Method of mining (Manual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
 - f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.

36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
37. The project proponent shall comply the MOEF&C's O.M. dated 24 July 2024 for ensuring plantation.
38. **लीज क्षेत्र के अंदर में केवल केशर /एम-सेड प्लांट स्थित है, परियोजना प्रस्तावत निम्न शर्तों का पालन करेगा।**
- खनन क्षेत्र में प्रस्तावित माईन आधारित केशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से नियमानुसार स्थापना एवं संचालन सम्मति प्राप्त करना होगी।
 - म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की दिशा निर्देशों के अनुसार प्रस्तावित केशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट में स्लरी प्रबंधन तथा वायु प्रदूषणरोधी उपकरणों की स्थापना सुनिश्चित की जावेगी।
39. **केशर अथवा एम सेड प्लान्ट प्रस्तावित नहीं है ,परियोजना प्रस्तावत निम्न शर्तों का पालन करेगा।**
- परियोजना प्रस्तावक के अनुसार लीज क्षेत्र में केशर प्लान्ट/ एम.सेड प्लांट प्रस्तावित नहीं है, अतः लीज क्षेत्र में केशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जा सकेगी।
 - खनन क्षेत्र से बाहर प्रस्तावित माईन आधारित केशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से नियमानुसार स्थापना एवं संचालन सम्मति प्राप्त करना होगी।
 - म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की दिशा निर्देशों के अनुसार प्रस्तावित केशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट में स्लरी प्रबंधन तथा वायु प्रदूषणरोधी उपकरणों की स्थापना सुनिश्चित की जावेगी।
40. **यदि आवंटित खनन पट्टा भू-स्वामी की सहमति /अनुबंध पर हो तो परियोजना प्रस्तावत निम्न शर्तों का पालन सुनिश्चित करेगा।**
1. **क्षतिपूर्ति के संबंध में:-**
- म.प्र. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 247 (5) के तहत संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा भूमि स्वामियों की क्षतिपूर्ति के निर्धारण हेतु किये गये प्रावधानों/उपबंधों का पालन भूमि स्वामियों को समक्ष में सुनकर भूमि के सतह अधिकार के संबंध में क्षतिपूर्ति का निर्धारण सुनिश्चित किया जाये।
 - म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 9 (क) एवं नियम,06(क) के प्रावधान अंतर्गत कण्डिका 04 में किये गये प्रावधानों के अनुरूप सहमति धारक को उत्खनन पट्टा स्वीकृत होने पर, देय रॉयल्टी के 15 प्रतिशत के समतुल्य रकम का सहमति धारक को भुगतान सुनिश्चित किया जाये। उपरोक्त शर्तों का पालन भू-प्रवेश अनुमति के पूर्व सुनिश्चित किया जावे।

Annexure- 'B'Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4th or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.
18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.

23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - c. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - d. Minable Potential of sand mine.
 - e. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - f. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
 - i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
 - ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
 - iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
 - iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
 - v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
 - vi. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
 - vii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
 - viii. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.
31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.

34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
37. As per Enforcement and Monitoring Guidelines for Sand Mining 2020 , Page no. 24 Para (r) minimum 7.5 meters (inward) “from the river.....bank” shall be restricted should be followed in verbatim as the para says.
38. The project proponent shall comply the MOEF&C’s O.M. dated 24 July 2024 for ensuring plantation.
39. विगत वर्षों में जारी पूर्व पर्यावरण स्वीकृति में एवं वर्तमान में जारी पर्यावरण स्वीकृति में उल्लेखित समस्त शर्तों का पालन मध्यप्रदेश स्टेट माईनिंग कॉर्पोरेशन द्वारा सुनिश्चित किया जावेगा।
40. पूर्व एवं वर्तमान ई.सी. शर्तों का पालन प्रतिवेदन निर्धारित समयावधि में एम.ओ.ई.एफ. एण्ड सी.सी. तथा एम.पी. सिया, के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।